परिशिष्ट

परिशिष्ट 1

पर्यावरणीय अभिवृत्ति मापनी

डॉ. एन.एन. श्रीवास्तव

प्राध्यापक

राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान, जबलपुर

एवं

कु. शशिप्रभा दुबे

नाम .....आयु .....विद्यालय /महाविद्यालय.....कक्षा .....पिता/अभिभावक का व्यवसाय .....

.....

निर्देश

इस मापनी में पर्यावरण संबधी कुछ कथन दिये गये है। प्रत्येक कथन के सामने तीन विकल्प 'सहमत' अनिश्चित और ''असहमत'' लिखे है। यदि आप कथन से सहमत है। तो ''सहमत'' वाले खाने में सही का निशान लगा दीजिये। यदि आप कथन के संबंध में निर्णय लेने में अनिश्चित है तो ''अनिश्चित'' वाले खाने में सही का निशान लगाइये और यदि आप कथन में असहमत हैं तो ''असहमत'' वाले खाने में सही का निशान लगाइये।

इस मापनी को शीघ्र पूरा करने का प्रयास कीजिये।

प्राप्तांक	शतांक अंक	अभिवृत्ति की श्रेणी
50	80	40

प्रकाशक – आरोही मनोविज्ञान केन्द्र

7, दत्त एन्ड चड्ढा एनक्लेव, साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर

क्रम	कथन	सहमत	अनिश्चित	असहमत
1.	प्रदूषण की समस्या पर्यावरण के अंधाधुन्ध विनाश के कारण हैं।	☐	☐	☐
2.	नगरों का बढ़ता औधोगीकरण जल प्रदूषण का मुख्य कारण है।	☐	☐	☐
3.	प्रदूषित जल का सबसे गम्भीर दुष्यपरिणाम उनके द्वारा अनेक रोगों का संचारण है।	☐	☐	☐
4.	तीव्र प्रकाश का प्रभाव पर्यावरण पर बढ़ता है।	☐	☐	☐
5.	वर्तमान समय में प्रदूषण के कारण जल मृत्यु का दूत होता है।	☐	☐	☐
6.	वायु के भौतिक रसायनिक व जैविक गुणों में परिवर्तन जीवन के लिए हानिकारक है।	☐	☐	☐
7.	चिपकों आंदोलन वन संरक्षण के प्रति जनसमुदाय के जनजागरण का अच्छा उदाहरण है।	☐	☐	☐
8.	वायु के प्रदूषण का सबसे प्रमुख कारण शहरों में औधोगिक कारखनों की स्थापना है।	☐	☐	☐
9.	वातावरण में धुयें का प्रतिशत बढ़ने से ऑक्सीजन का प्रतिशत कम होता जा रहा है।	☐	☐	☐
10.	वायु में उपस्थित गैस अनेक स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों को जन्म देती है।	☐	☐	☐
11.	अधिक मनुष्यों का अधिक बोलना भी प्रदूषण का कारण होता हैं।	☐	☐	☐
12.	ध्वनि प्रदूषण भी एक समस्या हैं।	☐	☐	☐
13.	भावी पीढ़ी को समृद्व जीवन के साथ शांतमय वातावरण प्रदान करना हमारा कर्त्तव्य हैं।	☐	☐	☐

14. भ्रमण से छात्र-छात्राओं को पर्यावरण का महत्व समझाया जा सकता हैं। ☐ ☐ ☐

क्रम	कथन	सहमत	अनिश्चित	असहमत
15.	पर्यावरण तीव्र ध्वनि से प्रभावित हो रहा हैं।	☐	☐	☐
16.	वन प्राकृतिक संतुलन बनाये रखाने में अपना योगदान देते हैं।	☐	☐	☐
17.	वन भूमि की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाते है।	☐	☐	☐
18.	वनों की कटाई से पर्यावरण का सन्तुलन बिगड़ता है।	☐	☐	☐
19.	वन उन्मूलन के कारण ही अनेक प्राकृति समस्याऐं जैसे बाढ़ सूखा, पर्यावरण प्रदूषण इत्यादि जन्म ले रही है।	☐	☐	☐
20.	वनोन्मुलन की यह गति मानव प्रजाति के लुप्त होने के कारण बनेगी।	☐	☐	☐
21.	वनों पर विनाशकारी प्रभाव डालने वाले कारको में मानव सर्वोपरि हैं।	☐	☐	☐
22.	वनों को सिर्फ वृक्षों का समूह न मानकर उसे एक जीवित ईकाई समझना वन संरक्षण का आधार है।	☐	☐	☐
23.	नकली सुगन्धित वस्तुएं पर्यावरण को बिगाड़ती है।	☐	☐	☐
24.	वन संरक्षण में जन सहयोग लेने हेतु सामाजिक वानिकी योजनायें लागू होनी चाहिए।	☐	☐	☐
25.	पौधें की वृद्धि से उस स्थान के वातावरण पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।	☐	☐	☐
26.	वृक्षारोपण से वायु प्रदूषण दूर हो सकता हैं।	☐	☐	☐
27.	खनिजों के अव्यवस्थित उत्खनन से पर्यावरण असंतुलित होता है।	☐	☐	☐
28.	शहरीकरण से पर्यावरण की समस्यायें बढ़ी है।	☐	☐	☐
29.	मकानों का घनत्व प्रदूषण बढ़ाता है।	☐	☐	☐

☐ ☐

30. पर्यावरण की दयनीय स्थिति पर्यावरण के तरफ लगातार उपेक्षा पूर्ण दृष्टि को सिद्ध करता है। ☐

31. वर्तमान प्रगति का मूल्य हमने कई पर्यावरणीय समस्यायें उत्पन्न करके चुकाया हैं। ☐ ☐ ☐

क्रम	कथन	सहमत	अनिश्चित	असहमत
32.	पर्यावरण असंतुलन रसायनिक खोजों द्वारा संतुलित किया जा सकता है।	☐	☐	☐
33.	पर्यावरण संरक्षण आज के नागरिक का मुख्य कर्त्तव्य है।	☐	☐	☐
34.	राज्य शासन के प्रदूषण नियन्त्रण अधिनियम से प्रदूषण नियंत्रण संभव नहीं है ।	☐	☐	☐
35.	जनसंख्या का बढ़ता पर्यावरण के विनाश के लिये उत्तरदायी है।	☐	☐	☐
36.	कुछ जलीय पौधे जैसे –जलकुभी द्वारा जल प्रदूषण नियंत्रण संभव नहीं है।	☐	☐	☐
37.	प्रदूषण ऐतिहासिक विरासत को नष्ट करना है।	☐	☐	☐
38.	कृषि उत्पादन पर वायुमंडल का अत्याधिक प्रभाव पड़ता है।	☐	☐	☐
39.	औधोगिक कारखाने की स्थापना से जनसामान्य की रूचि पर्यावरण में कम हुई है।	☐	☐	☐
40.	विभिन्न प्रकार की गैसों से प्रदूषण बढ़ता है।	☐	☐	☐

परिशिष्ट 2

पर्यावरणीय आचरण

पानी

- पानी में पत्तियाँ कचरा इत्यादि फेंकते है।
- पानी में खाली बाटलें फेंकते है।
- पानी में हाथ पैर डालकर धोते है।
- पानी में खाली पालीथीन इत्यादि को निकाल कर साफ करते है।
- स्वच्छ पानी का उपयोग पीने में करते है।
- पानी को स्वच्छ रखने की पर्याप्त कोशिश करते है।
- पानी की उपयोगिता के बारे में बाते करते है।

पेड़ पौधें

- पेड़ पौधों में पानी डालते है।
- पेड़ पौधों की पत्तियॉ तोडते है।
- पेड़ पौधें की टहनियॉ खीचते हैं या तोडते है।
- फूलों को तोडते है।

- फूलो को देख कर खुश होते है।
- फलों को पकने के बाद ही तोडते है।
- पेड़ पौधों की वृद्धि के लिए खाद डालते है।
- पक्षियों को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करते है।
- गंदे पैरो व हाथों से बगीचे की कुर्सियों को गंदा करते है।
- पेड़ पौधों के साथ अनुचित क्रियाकलाप करते हैं।
- पेड़ पौधों की उपयोगिता के बारे में वार्तालाप करते है।
- पेड़ पौधों की साफ सफाई में मदद करते है।

अन्य

- चाकलेट के रैपर यहाँ वहाँ बिखराते हैं या कूडेदान में डालते है।
- खानों के पैकिंग पेपर को फेकने के लिए कूडेदान का उपयोग करते है।
- पालीथीन बगीचे में फेंकते है।
- पालीथीन बैंग के स्थान पर कपडे के बैंग का उपयोग करते हैं।
- जैविक व अजैविक कचरा अलग-अलग फेंकते है।
- कृत्रिम परिस्थितियों में उपयुक्त अवशिष्ट को कूडेदान में फेंकते है।
- बहते नल के पानी को बंद करते हैं अथवा नहीं।
- खाने के पूर्व एवं खाने के बाद हाथों को धोने हेतु उचित स्थान का इस्तेमाल करते हैं अथवा खुले स्थान में धो लेते है।

- पिंजरे में बंद पक्षियों को देख कर खुश होते हैं अथवा उन्हें परेशान करते है।
- बगीचे में आनंद पूर्वक खेलते हैं अथवा अवांछित शोर शराबा करते है।